वार्षिक रिपोर्ट 2016-17
ANNUAL REPORT 2016-17

TRUSTED BY MILLIONS SINCE 1895

The journey of excellence continues

पंजाब नैशनल बैंक
...भरोसे का प्रतीक!

punjab national bank
...the name you can BANK upon!

श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, पंजाब नैशनल बैंक, भीखाएजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में पहले दिन कार्यभार ग्रहण करने के शुभ अवसर पर बैंक के संस्थापक लाला लापजत राय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO paying tribute to Lala Lajpat Rai – Founder of the Bank, on his joining at Punjab National Bank, Head Office, Bhikhaiji Cama Place, New Delhi

श्री सुनील मेहता, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में बैंक के वार्षिक वित्तीय परिणामों (2016–17) की घोषणा की। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री के.वी. ब्रह्माजी राव, डॉ. राम एस. संगापूरे तथा श्री संजीव शरण भी उपस्थित थे।

Shri Sunil Mehta, Managing Director & CEO declaring Annual Financial Results (2016-17) of the Bank in a Press Conference at New Delhi alongwith Shri K.V. Brahmaji Rao, Dr. Ram S. Sangapure and Shri Sanjiv Sharan, Executive Directors of the Bank

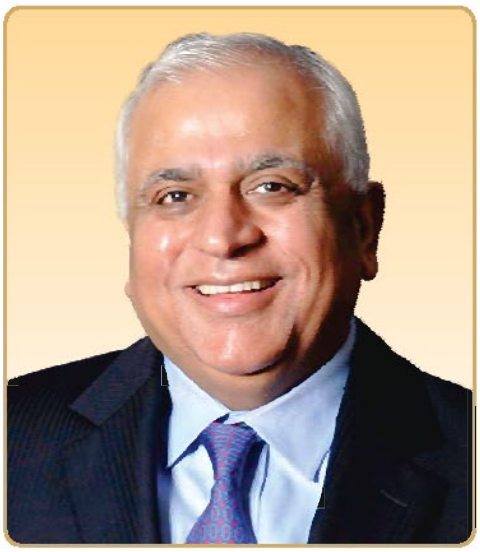

चेयरमैन की डेस्क से
From the Chairman's Desk

प्रिय शेयरधारको,

वित्तीय वर्ष 2016–17 आपके बैंक के लिए एक और महत्वपूर्ण तथा रोमांचक वर्ष सिद्ध हुआ। बैंक ने पारंपरिक ऋण पोर्टफोलियो से संबंधित समस्याओं को पहचान कर इनका समाधान आरंभ करने के साथ–साथ विकास के ऐसे नए अवसरों की पहचान भी की जिनका बैंक लाभ उठाने की विशेष स्थिति में है। बैंक तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश और विभिन्न घरेलू प्रतिस्पर्धात्मक दबावों के कारण सामने आए जोखिमों के प्रति जागरूक है। वैश्विक वृद्धि की गति भी धीमी और अस्थिर रही है। संयोग से, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि की संभावनाओं के साथ–साथ घरेलू आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं भी सकारात्मक बनी रहीं।

वर्ष के दौरान आपका बैंक व्यस्ततम कारोबारी गतिविधियों का साक्षी बना। नवम्बर व दिसम्बर 2016 में विमुद्रीकरण ने बाजार के कुछ हिस्सों में विकास की गति में क्षणिक व्यवधान उत्पन्न किया परंतु आने वाले महीनों में वापसी के संकेत स्पष्ट दिखाई दिए। विमुद्रीकरण ने आपके बैंक को डिजिटलीकरण की गति को बढ़ाने के नए अवसर प्रदान किए। इस महत्वपूर्ण समय में बैंक ने सबसे आगे रहते हुए मुख्य भूमिका निभाई और अपनी दूरदर्शिता तथा संवेदनशीलता का प्रदर्शन करते हुए बैंक जनता के साथ–साथ सरकार की अपेक्षाओं को भी पूरा किया। पीएनबी को अपने सभी कर्मचारियों पर गर्व है जिन्होंने इस अवसर पर अपनी योग्यताओं एवं क्षमताओं का प्रमाण दिया है। बैंक बाजार की जरूरतों के प्रति सक्रिय एवं सचेत रहा और अंतःस्थापित ग्राहक संबंध बनाने की दिशा में नवोन्मेष करता रहा। आपका बैंक वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। बैंक ने कई पुरस्कार एवं सम्मान अर्जित किए हैं। बैंक इस संवर्ग में अग्रणी रहने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक ने मौजूदा ग्राहकों के साथ–साथ उभरते युवा ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न उत्पादों और सेवाओं का आरंभ किया। ऐसे उत्पादों और सेवाओं में पीएनबी किट्टी, यूपीआई, पीएनबी वेव–एन–पे संपर्क रहित क्रेडिट कार्ड शामिल हैं जो बैंकिंग को सरल और सहज बनाएंगे।

Dear Shareholders,

Financial Year 2016-17 proved to be another eventful and exciting year for your bank. On one hand, the bank embarked on recognition and resolution of legacy credit portfolio issues and on other, it identified new growth opportunities where it is uniquely positioned. The bank is conscious of the risks it faces in a rapidly evolving global environment and various domestic competitive pressures. The global growth was slow and volatile. Fortunately, domestic economic growth prospects remain positive coupled with expected higher public investments.

Your bank witnessed hectic activity during the year. Demonetization in November and December 2016 caused temporary dislocation in growth momentum in some market segments with indications of a bounce back in ensuing months. The demonetization provided new opportunities to your bank for enhanced digitization. The Bank remained at the forefront and played a key role during this critical period, displaying prudence and responsiveness in meeting expectations of customers and the Government. We are proud of all PNB employees who rose to the occasion. The Bank remained active and alert to market needs and continued to innovate in building embedded customer relationships. Your bank has been at the fore-front on financial inclusion. It has won many awards and accolades. The Bank is committed to take a lead position in this segment. Various new products and services were launched to meet the demand of existing and emerging young customers. These include PNB Kitty, UPI and PNB Wave & Pay Contactless Credit Card which will make banking simple and seamless.

बढ़ती दबावग्रस्त आस्तियां और इनके फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली उपयुक्त समाधान की चुनौतियां वर्ष भर बैंकिंग उद्योग को परेशान करती रहीं। यह आपके बैंक के लिए भी चिंता का गंभीर कारण है। बैंक ने लागू नियामक रूपरेखा के अंतर्गत अन्य ऋणदाताओं के साथ मिलकर इस समस्या को शीघ्रता से सुलझाने का संकल्प किया है। इस चुनौतीपूर्ण परिदृश्य के बावजूद, वसूली और आस्ति गुणवत्ता के उन्नयन की दिशा में बैंक द्वारा किए गए प्रयास उल्लेखनीय रहे हैं। दबावग्रस्त आस्तियों की पहचान करने और इनके समाधान की प्रक्रिया तैयार करने के लिए स्थापित किए गए 'वॉर रूम' ने इस समस्या पर ध्यान केंद्रित करते हुए इससे निपटने में सहायता प्रदान की। उच्चतर प्रावधान कवरेज अनुपात के साथ एनपीए गत वर्षों के स्तर से नीचे रहा। वित्तीय वर्ष 2017–18 में भी बैंक प्रबंधन द्वारा इन प्रयासों पर तीव्र ध्यान दिया जाएगा।

Rising stressed assets and consequent challenges of appropriate resolution have bedeviled the banking industry during the year. This remains a serious cause of concern for your Bank as well. The Bank has resolved to address this issue expeditiously in conjunction with other lenders under the applicable regulatory framework. Despite a challenging scenario, your Bank's efforts towards recoveries and upgradation of asset quality have been noteworthy. 'War Room' set up to identify and devise a resolution process for Stressed Assets enabled to deal with this issue in a focused manner. NPAs were below prior year levels with higher Provision Coverage Ratio. These efforts will continue to receive intense management attention in Financial Year 2017-18.

31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान आपके बैंक ने उद्योग में ऋण वृद्धि कम रहने के बावजूद रु.10 लाख करोड़ से अधिक के कारोबार स्तर को पार करते हुए कारोबार के क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की हैं। घरेलू जमाराशियों में 46% की हिस्सेदारी के साथ कासा जमाराशियों के क्षेत्र में बैंक की वृद्धि अनुकरणीय रही है। ग्रामीण और शहरी युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बैंक रिटेल में सुदृढ़ वृद्धि के प्रयास करता रहेगा।

During Financial Year ending March 31st, 2017 your Bank accomplished many important business milestones including crossing ₹10 lakh crore in business despite tepid credit growth in the industry. The Bank's growth in CASA deposits was exemplary with 46% share in Domestic Deposits. The Bank intends to pursue strong retail growth to meet growing aspirations of rural and urban youth.

भारतीय अर्थव्यवस्था परिवर्तन के दौर से गुजर रही है और अधिकतर मामलों में विकास की गति में तेजी आना संभावित है। घरेलू मोर्चे पर, अन्य पहलों के साथ–साथ दिवालियापन और शोधन अक्षमता संहिता, माल और सेवा कर (जीएसटी), प्रमुख संरचनात्मक क्षेत्रों में नीतिगत स्पष्टता और अधिक सार्वजनिक निवेश से आर्थिक स्थिरता और विकास की गति में और भी वृद्धि होगी। केंद्रीय बजट 2017–18 में कृषि, ग्रामीण आंतरिक क्षेत्रों, किफायती आवास तथा अवसंरचना को फोकस क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया गया है। साथ ही, अतीत में आरंभ की जा चुकी अथवा वर्तमान में प्रक्रियाधीन प्रमुख नीतिगत पहलों से निवेश चक्र को और भी गति मिल सकती है। वैश्विक दृष्टिकोण के हाल के संकेत कम निराशाजनक रहे हैं। हालांकि, वैश्विक पूंजी प्रवाह अभी भी अस्थायी बने हुए हैं और पूर्वानुमेयता एवं जोखिम प्रतिफल की मांग कर रहे हैं।

The Indian economy is at a transformative stage and growth momentum on most counts is expected to accelerate. On the domestic front, the progress on key structural reforms including the Insolvency and Bankruptcy Code, Goods and Services Tax (GST), policy clarity in key infrastructure sectors, higher public investments amongst other initiatives will provide further economic stability and growth impetus. The Union Budget 2017-18 highlighted agriculture, rural hinterland, affordable housing and infrastructure as the focus areas. Also key policy initiatives taken in the past and those in the pipeline will provide further momentum to the investment cycle. Recent signs of global outlook are less discouraging. However, global capital flows are still tentative, seeking predictability and risk returns.

विश्व स्तर पर बैंकों के लिए प्रतिस्पर्धा और पूंजीगत अपेक्षाएं बढ़ेंगी। पूंजी के कुशल उपयोग को संभव करने के लिए जोखिम प्रबंधन महत्वपूर्ण होगा। बैंकिंग और दूरसंचार में तेजी से बदलता तकनीकी घटनाक्रम परस्पर निर्भरता को उत्प्रेरित करते हुए भिन्नताओं को कम कर रहा है। बैंकों के लिए नए उत्पादों और डिलीवरी प्लेटफॉर्म के विकास हेतु डेटा विश्लेषिकी और डेटा प्रबंधन प्रमुख सहायक होंगे। सुदृढ़ साइबर सुरक्षा और अनवरत डेटा अखंडता फायरवॉल बैंक के नेतृत्व के लिए तेजी से महत्वपूर्ण विषय बन रहे हैं। खर्चीली पारंपरिक शाखा बैंकिंग धीरे–धीरे डिजिटल और मोबाइल बैंकिंग का मार्ग प्रशस्त कर रही है। उत्पादों व डिलीवरी प्लेटफॉर्मों के संबंध में ग्राहक की प्रोफाइल एवं उनके क्रय व्यवहार में निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। कठोर बैंकिंग विनियम बैंकों में उच्चतर जोखिम पूंजी पर जोर देंगे। नए लेखांकन मानकों का कार्यान्वयन क्षत आस्तियों की

Competition and capital requirements for banks globally will intensify. Management of risks to enable efficient use of capital will be critical. Fast evolving technological developments in banking and telecommunications are catalyzing inter-dependencies and blurring lines of distinction. Analytics and data management will become key enablers for development of new products and delivery platforms for banks. Robust cyber security and incessant data integrity firewalls are fast becoming center-stage issues for bank's leadership. Expensive brick and mortar branch banking will progressively give way to digital and mobile banking. Customer profile and buying behavior of products and delivery platforms are constantly evolving. Stringent banking regulations will push for higher risk capital in banks. Implementation of new accounting standards will enforce consistency and transparency in

पहचान में अधिक स्थिरता और पारदर्शिता लाएगा। ये घटनाक्रम बैंकों में प्रतिफल की आशाओं को पूरा करने अथवा वृद्धिशील पूंजी के विनियोजन के लिए वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र को रणनीतिक समेकन तथा वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं की पुनर्संरचना हेतु तत्पर बनाएंगे।

आपका बैंक ऐसे वैश्विक घटनाक्रम और उनके संभावित स्थानीय प्रभाव के प्रति सचेत है। बैंक इस परिवर्तन के लिए पूरी तरह से तत्पर है। इस परिवर्तन के लिए पुनर्विन्यास के साथ–साथ भारत सरकार सहित सभी हितधारकों का सहयोग आवश्यक होगा। बैंक का समृद्ध इतिहास, सुदृढ़ ब्रांड, बाजार की स्थिति और समर्पित कर्मचारी क्षितिज पर उभरने वाले विविध नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए भलीभांति तैयार हैं। कई पहल प्रगति में हैं। प्रबंधन लगन के साथ कार्य करते हुए बैंकों की कोर बैंकिंग प्रौद्योगिकी के उन्नयन की गति को तेजी से बढ़ा रहा है और समकालीन डिजिटल डिलीवरी प्लेटफॉर्म भी निर्मित कर रहा है। इससे बैंक के सफल वित्तीय समावेशन अभियान को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं को बाजार की स्थितियों के अनुरूप निरंतर परिष्कृत किया जाएगा। बैंक अपनी आस्तियों एवं ग्राहक पेशकशों के लिए जोखिम आधारित मूल्य निर्धारण को संस्थागत रूप प्रदान करेगा। आपका बैंक ग्रामीण और शहरी बाजारों में अपने ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने की बेहतर स्थिति में है। बैंक अपने 10 करोड़ से अधिक मूल्यवान ग्राहकों को सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपने कारोबार में और महत्वपूर्ण रूप से अपने कर्मचारियों के कौशल की वृद्धि में निरंतर निवेश करता रहेगा।

हम परिवर्तन की अपनी इस यात्रा का उत्साह के साथ आरंभ कर रहे पंजाब नैशनल बैंक को आपका सतत सहयोग एवं विश्वास मिलने की आशा करते हैं।

भवदीय,

हस्ता/–

(सुनील मेहता)

recognition of impaired assets. These developments should prepare the global banking sector for strategic consolidation and re-engineering of financial products and services to meet return expectations or deployment of incremental capital in banks.

Your bank is conscious of these developments globally and potential impact locally. The Bank is preparing in full earnest for this change. It will require re-orientation and support from all stakeholders including the Government of India. The Bank's rich history, strong brand, market position and dedicated employees are well poised to capitalize on the many new opportunities in the horizon. There are several initiatives in progress. The management is working assiduously and fast changing gears in upgradation of the Bank's core banking technology and concurrently building a contemporary digital delivery platform. This will provide further impetus to the bank's successful financial inclusion drive. The risk management processes will be continuously refined in line with market conditions. The Bank will institutionalize risk based pricing for its assets and customer offerings. Your bank is well positioned to meet the diverse needs of its customers in rural and urban markets. It will continue to invest significantly in its businesses and importantly in skill development of employees for serving our over ten crore valuable customers.

We look to your continued support and confidence in Punjab National Bank as it embarks with vigour on its journey of change.

Yours sincerely,

(Sunil Mehta)

प्रबंध निदेशक एवं सीईओ की डेस्क से

From the Managing Director & CEO's Desk

प्रिय शेयरधारको,

वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपके साथ साझा करना मेरे लिए हर्ष का विषय है। समीक्षाधीन वर्ष दो प्रमुख मैक्रो–आर्थिक घटनाक्रमों का साक्षी रहा। पहला घटनाक्रम सर्वाधिक मूल्यवर्ग के दोनों मुद्रा नोटों के विमुद्रीकरण की कार्रवाई था और दूसरा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया जाना था।

मध्यम से दीर्घकालिक अवधि में विमुद्रीकरण से अत्यधिक लाभ प्राप्त होने की संभावना है और इसने तेज डिजिटलीकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। एकीकृत जीएसटी के कार्यान्वयन को अप्रत्यक्ष कर के सर्वाधिक दूरगामी सुधारों में से एक के रूप में देखा जाता है जिससे एक उभयनिष्ठ भारतीय बाजार बनने और कर अनुपालन एवं अधिशासन में सुधार आने की संभावना है।

विमुद्रीकरण के परिणामस्वरूप, सीएसओ ने वि.व.'17 के लिए अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर को 7.6% से घटाकर 7.1% कर दिया है। वि.व.'17 तीसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों में 7% की वृद्धि हुई जिन्होंने विमुद्रीकरण के किसी भी बड़े प्रभाव की आशंका को दूर किया। एक तत्काल परिणाम के रूप में उद्योग तथा सेवा क्षेत्र में वृद्धि सीमित रही लेकिन मानसून में सुधार के कारण कृषि में वृद्धि हुई। आरबीआई द्वारा छठवीं द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में अपना रुख उदार से बदल कर तटस्थ कर लिए जाने के कारण सेवागत मुद्रास्फीति में आई स्थिरता ने दरों में कटौती के चक्र की दक्षिणवर्ती गति पर रोक लगा दी।

विनिर्दिष्ट बैंक नोटों (एसबीएन) की वापसी का तात्कालिक वित्तीय प्रभाव बैंक जमाराशियों में बढ़ोतरी था, जिसके कारण संचलनरत मुद्रा में तदनुरूप कमी आई। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष जमाराशियों में तेजी से वृद्धि हुई। यद्यपि इन जमाराशिओं का प्रतिधारण और वृद्धि की गति को जारी रखना चुनौतीपूर्ण होगा। तथापि, मांग में कमी आने से ऋण वृद्धि भी प्रभावित हुई।

Dear Shareholders,

It gives me a great pleasure to share with you the Annual Report of the Bank for FY'17. The year in review was marked by two major macro-economic developments. The first was the action to demonetize the two highest denomination notes and the second was paving the way for implementing the Goods and Services Tax (GST).

Demonetization holds huge potential benefits in the medium to long-term and has paved the way for faster digitalization. The implementation of a unified GST is viewed as one of the most far-reaching indirect tax reforms, as it is likely to create a common Indian market, improve tax compliance and governance.

Consequent upon demonetization, CSO reduced the estimated GDP growth for FY'17 to 7.1% from 7.6%. The GDP numbers for Q3FY'17 grew at 7% allaying fears of any major effect of demonetization. As an immediate aftermath there was a moderate growth in industrial and service sector but the agriculture grew on the back of improved monsoon. The stickiness in service inflation paused the southwards momentum of the rate cut cycles as RBI changed its stance from accommodative to neutral in the Sixth Bi-monthly Monetary Policy Review.

The immediate financial impact of withdrawal of Specified Bank Notes (SBNs) was a surge in bank deposits with a commensurate fall in currency in circulation. Deposit grew at a faster pace this year as compared to that of last year. The retention of these deposits and carrying forward the momentum although shall remain challenging. However, the credit growth was impacted as demand slowed down.

ऐसी अपेक्षाएं हैं कि वित्तीय वृद्धि के मध्यम और दीर्घकालिक निर्धारक संभावित रूप से वि.व.'18 में महत्वपूर्ण बने रहेंगे। सुदृढ़ आर्थिक आधार, सहायक मौद्रिक व राजकोषीय नीति, जीएसटी के पारित होने और प्रमुख संरचनात्मक सुधारों के जारी रहने की आशाओं से जीडीपी वृद्धि को सहायता मिलने की संभावना है। अर्थव्यवस्था में शीघ्र विस्तार होने की संभावनाओं के साथ, विकास द्वारा मामूली अवरोधों से उबरते हुए अपनी गति को बढ़ाने और निवेश चक्र तथा ऋण वृद्धि में पुनः वृद्धि आरंभ होने की भी संभावना है।

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान पीएनबी का कार्य निष्पादन

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान, बैंक ने रु.10.41 लाख करोड़ वैश्विक कारोबार, रु.6.22 लाख करोड़ वैश्विक जमाराशियां, रु.5.66 लाख करोड़ घरेलू जमाराशियां, रु2.60 लाख करोड़ कासा जमाराशियां, रु.2.14 लाख करोड़ बचत जमाराशियां, और 45.97% के घरेलू कासा अनुपात जैसे विभिन्न कीर्तिमान अर्जित किए।

वित्तीय वर्ष 2017 के कार्य निष्पादन की कुछ प्रमुख विशेषताएं निम्न हैं:

- बैंक के रु. 4.19 लाख करोड़ के निवल अग्रिमों में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 1.7% वृद्धि हुई।
- लाभप्रदता मानदंडों के संदर्भ में, वि.व.'17 के दौरान बैंक का परिचालन लाभ रु.14565 करोड़ और निवल लाभ रु.1325 करोड़ रहा।
- प्रमुख वित्तीय अनुपातों के संदर्भ में, वि.व.'17 के दौरान बैंक का घरेलू निवल ब्याज मार्जिन 2.69% रहा। जमाराशियों की लागत वि.व.'16 के 5.85% से घटकर वि.व.'17 में 5.33% हो गई।
- बैंक अपने पूंजी पर्याप्तता अनुपात को नियामक आवश्यकताओं से ऊपर बनाए रखने में सक्षम रहा है। बैंक का सीआरएआर 11.66% रहा जिसमें टीयर–I अनुपात 8.91% और टीयर–II अनुपात 2.75% रहा।
- एनपीए के समाधान हेतु किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप, जीएनपीए अनुपात वि.व.'16 के 12.90% से घटकर वि.व.'17 में 12.53% हो गया जबकि एनएनपीए अनुपात वि.व.'16 के 8.61% से घटकर वि.व.'17 में 7.81% हो गया। स्लिपेज में भी गिरावट आई और ये वि.व.'16 के रु.42252 करोड़ से घटकर वि.व.'17 में रु.22415 करोड़ हो गए। प्रावधान कवरेज अनुपात भी वि.व.'16 के 51.06% से बढ़कर वि.व.'17 में 58.57% हो गया।

ब्रांड दृश्यता

1. **ट्विटर और लिंक्डइन** पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के अतिरिक्त **'Punjab National Bank, HO, New Delhi'** के नाम से बैंक का आधिकारिक **फेसबुक** पेज भी क्रियाशील हो गया है।

The expectations are that the medium and long-term determinants of economic growth are likely to hold the centre stage in the FY18. Stronger economic fundamentals, supportive monetary and fiscal policy, expectation of passage of GST and continuation of key structural reforms are expected to support GDP growth. With the economy slated to expand fast, the growth is likely to build its own momentum, subsume minor disruptions and there would be revival in investment cycle and credit growth.

PNB's Performance during FY'17

During FY'17, the bank achieved various milestones i.e., ₹10.41 lakh crore Global Business, ₹6.22 lakh crore Global Deposits, ₹5.66 lakh crore Domestic Deposits, ₹2.60 lakh crore CASA Deposits, ₹2.14 lakh crore Savings Deposits and Domestic CASA Ratio of 45.97%.

Some of the key performance highlights of FY'17 are:

- Net Advances of the Bank at ₹4.19 lakh crore grew 1.7% on YoY basis.
- In terms of Bottom-line parameters, the Bank's Operating Profit stood at ₹14565 crore during FY'17 and Net Profit at ₹1325 crore.
- In terms of key financial ratios, the Bank's Domestic Net Interest Margin was at 2.69% during FY'17. The Cost of Deposits moved southward from 5.85% in FY'16 to 5.33% in FY'17.
- The Bank has been able to maintain its Capital Adequacy Ratio above the regulatory requirement. The Bank's CRAR stood at 11.66% which constitutes Tier I ratio of 8.91% and Tier II ratio of 2.75%.
- As a result of efforts taken towards resolution of NPAs, the GNPA ratio declined to 12.53% in FY'17 from 12.90% in FY'16, while the NNPA ratio declined from 8.61% in FY'16 to 7.81% in FY'17. The slippages declined from ₹42252 crore in FY'16 to ₹22415 crore in FY'17. The Provision Coverage ratio increased to 58.57% in FY'17 from 51.06% in FY'16.

Brand Visibility

1. Besides having its presence on **Twitter and LinkedIn**, the Bank's **Facebook** page in the name of **'Punjab National Bank, HO, New Delhi'** has also become operational.

2. भारतीय टीम के कप्तान और हमारे देश के युवा पीढ़ी के बीच व्यापक अपील रखने वाले ऊर्जावान युवा क्रिकेटर **श्री विराट कोहली** को बैंक के ब्रांड एम्बेसेडर के रूप में चुना गया है।

डिजिटल यात्रा पर अग्रसर

बैंकिंग अनुभव को अधिक सुखद, अधिक सुविधाजनक और अधिक लाभप्रद बनाने के लिए दिसंबर'16 माह **"पीएनबी किट्टी"** नामक पीएनबी वॉलेट का शुभारंभ किया गया। यह ऑनलाइन वॉलेट एक आभासी खाते के रूप में कार्य करता है जिसमें पैसे को ऑनलाइन रखा जा सकता है और बैंक खाते की संवेदनशील जानकारी को साझा किए बिना इसका उपयोग पैसा भेजने या प्राप्त करने, यूटिलिटी बिलों का ऑनलाइन भुगतान करने, मोबाइल/डीटीएच रिचार्ज करने आदि जैसे विभिन्न लेनदेन के लिए किया जा सकता है।

14–25 वर्ष आयु वर्ग के युवा ग्राहकों को बैंक से जोड़ने के लिए **"पीएनबी युवा"** एक अन्य इंटरैक्टिव उपयोगकर्ता इंटरफेस है।

भीम भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा विकसित एक ऐसा मोबाइल ऐप है जो एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) पर आधारित है और बैंक इसमें सक्रिय रूप से सहभागिता कर रहा है। यह उपयोगकर्ता को बैंक खातों के बीच तत्काल धनराशि अंतरित करने की सुविधा देता है।

वित्तीय समावेशन

बैंक लंबे समय से वित्तीय समावेशन उद्देश्यों की प्राप्ति के मार्ग पर अग्रसर है। इन उपायों के फलस्वरूप प्रभावशाली लाभ प्राप्त हुए और बैंकिंग सेवाओं का विस्तार तथा ऋण सुविधाओं की पहुँच से अधिकांश जनसंख्या को लाभान्वित किया जा सका। इसके परिणामस्वरूप वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), भारत सरकार (जीओआई) द्वारा पीएमजेडीवाई खातों के माध्यम से जुटाई गई धनराशियों के संदर्भ में सभी बैंकों के बीच पीएनबी को शीर्षस्थ और पीएमजेडीवाई के समग्र कार्यान्वयन में द्वितीय स्थान पर घोषित किया गया है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

धन का वितरण इसकी विधिपूर्ण और नीतिपूर्ण प्राप्ति के समान ही महत्वपूर्ण है। अतः सामाजिक उत्तरदायित्व की मजबूत भावना हमारे मूल्यों की व्यवस्था का अभिन्न अंग है। **पीएनबी विकास** ग्राम अंगीकरण योजना के अंतर्गत बैंक ने एकीकृत ग्रामीण विकास के लिए 169 गांवों को अंगीकार किया है। **स्वच्छ विद्यालय अभियान** के अंतर्गत बैंक इन अंगीकृत गांवों के सरकारी स्कूलों में शौचालयों के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। बैंक **पीएनबी लाडली** के माध्यम से ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में लड़कियों के बीच शिक्षा को लोकप्रिय बना रहा है। साथ ही, **पीएनबी किसान बालक शिक्षा प्रोत्साहन** योजना के तहत गरीब कृषक ऋणियों के बच्चों के बीच भी शिक्षा को लोकप्रिय बनाया जा रहा है। देशभर में सक्रिय पीएनबी के कृषक कल्याण न्यास, पीएनबी शताब्दी ग्रामीण विकास

2. **Mr. Virat Kohli,** an energetic young cricketer and captain of Indian team having mass appeal to the youth of our country, has been chosen as Brand Ambassador of the Bank.

Continuing the Digital Journey

To make banking experience more pleasurable, more convenient and more rewarding, PNB wallet named as **"PNB Kitty"** was launched in the month of Dec'16. This online wallet serves as a virtual account that holds money online and can be used to perform various transactions like sending or receiving money, online utility bill payments, Mobile/DTH Recharge etc. without sharing sensitive credentials of the Bank Account.

"PNB Yuva" is another interactive user interface to engage young customers in the age group of 14-25 years.

BHIM is a Mobile App developed by National Payments Corporation of India (NPCI), based on the Unified Payment Interface (UPI) in which we are actively participating. It allows the user to instantly transfer funds between the bank accounts.

Financial Inclusion

The bank has been pursuing the financial inclusion objectives for long. These measures resulted in impressive gains in enhancing the outreach of banking services and extent of credit to the population. As a result, Department of Financial Services (DFS), Ministry of Finance (MOF), Government of India (GOI) has affirmed PNB as first among all banks in deposit mobilized through PMJDY accounts and second in overall implementation of PMJDY.

Corporate Social Responsibility

The distribution of wealth is as important as its legal and ethical creation. A strong sense of social responsibility is therefore an integral part of our value system. Under **PNB Vikas,** Village Adoption Scheme, the Bank has adopted 169 villages for Integrated Rural Development. Under Swachh Vidyalaya Campaign the bank provides financial assistance for construction of toilets in government schools of these adopted villages. The Bank popularizes education among the girls in rural and semi urban areas through **PNB Ladli.** Also, education is being popularized among children of poor agriculture borrowers under **PNB Kisan Balak Shiksha Protsahan Yojana.** PNB's Farmers' Welfare Trust, PNB Centenary Rural Development Trust and

न्यास और वित्तीय साक्षरता केंद्र अपने प्रचलित क्षेत्रों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, स्वास्थ्य जांच आयोजित करते हैं और विकास गतिविधियों का संचालन करते हैं।

पुरस्कार एवं सम्मान

वित्तीय वर्ष'17 के दौरान, बैंक ने प्रभावशाली घरेलू एवं विदेशी पुरस्कारदात्री संस्थाओं से कई प्रतिष्ठित पुरस्कार अर्जित किए हैं। बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (आईपीई) हैदराबाद द्वारा दिए जाने वाले सतर्कता सेवा उत्कृष्टता पुरस्कार–एफवाई'17, चार नोड वाले क्लस्टर के लिए अनुप्रयोगों की श्रेणी में बीटस्ट्रीम मीडियावर्कस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दिए जाने वाले बीएफएसआई टेक मेस्ट्रो अवार्ड्स 2016, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा दिए जाने वाले राष्ट्रीय भुगतान उत्कृष्टता पुरस्कार 2016 का विजेता बना। बैंक को आउटलुक मनी द्वारा वर्ष 2016 का उपविजेता शिक्षा ऋणप्रदाता भी घोषित किया गया।

हाल ही में, पीएनबी को बड़े बैंकों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ एमएसएमई बैंक पुरस्कार और सीएसआर पहल एवं कारोबारी उत्तरदायित्व पुरस्कार–उपविजेता से सम्मानित किया गया था। 'द बैंकर' द्वारा विश्व के शीर्ष 1000 बैंकों के बीच 175वीं समग्र रैंक प्राप्त कर पीएनबी ने राष्ट्रीयकृत बैंकों के बीच अपना शीर्षस्थ स्थान पुनः अर्जित कर लिया। ट्रस्ट रिसर्च एडवाइजरी द्वारा आरंभ की गई 'द ब्रैंड ट्रस्ट रिपोर्ट 2016' के अनुसार पीएनबी ने सबसे विश्वसनीय भारतीय ब्रांड की तालिका में राष्ट्रीयकृत बैंकों के बीच शीर्षस्थ स्थान प्राप्त किया।

भावी दिशा

वर्ष 2017–18 के अधिकतर मामलों में अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर रहने की आशा है क्योंकि नए मुद्रा नोट आवश्यक मात्रा में परिसंचरण में वापस आ गए हैं और आर्थिक गतिविधि 'नए सामान्य' के अनुरूप होती देखी जा रही है।

"सामान्य मानसून" की आशा और इसके परिणामस्वरूप होने वाली अच्छी फसल, बेहतर ग्रामीण आय और "सभी के लिए आवास" जैसी पहल ग्रामीण एवं अर्ध–शहरी क्षेत्रों में ऋण की वृद्धि के विशाल अवसर प्रदान करती हैं। इन क्षेत्रों में बैंक की शाखाओं का विशाल नेटवर्क मौजूद है। बैंक कृषि, एमएसएमई और खुदरा ऋण संवर्ग में अधिक बाजार हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए अपने विशाल शाखा नेटवर्क का लाभ उठाने की योजना बना रहा है।

बैंक वित्तीय समावेशन को एकीकृत करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की योजना भी बना रहा है और भारतीय डाक भुगतान बैंक (आईपीपीबी) के साथ गठजोड़ से नई ऋण सहबद्धताएं प्राप्त होने की संभावना है। जेएलएफ तंत्र की सुदृढ़ता से बड़े खातों के समाधान में सहायता मिलेगी और वसूली का बेहतर परिवेश दबावग्रस्त आस्तियों की समस्या को कम करने में सहायक होगा। बैंक अवसरों के उभरते ही उन्हें भुनाने के लिए अग्रसक्रिय रहेगा।

Financial Literacy Centers running across the country provides free of cost training, organize health check up and undertake development activities in their prevailing areas.

Awards and Recognitions

During FY'17, the Bank has won many prestigious awards from influential domestic and overseas awarding Institutions. The Bank won Vigilance Service Excellence Award FY'17 by Institute of Public Enterprises (IPE) Hyderabad, BFSI Tech Maestro Awards 2016 in Application category for four node cluster by Bitstream Mediaworks Pvt. Ltd and National Payments Excellence Awards 2016 for Aadhaar Enabled Payments System (AEPS) by National Payments Corporation of India (NPCI). The Bank was also declared Runner up in Education Loan Provider of the Year 2016 by Outlook Money.

Recently, PNB was also awarded the Best MSME Bank Award (Large Category) and CSR Initiatives & Business Responsibility Award-Runner-Up (Large Category). PNB regained its Number One slot amongst Nationalized Banks with overall rank at 175th amongst Top 1000 world banks by 'The Banker'. Amongst nationalized banks, PNB topped the chart of India's Most Trusted Brand as per 'The Brand Trust Report 2016' launched by Trust Research Advisory.

Looking Ahead

The year 2017-18 on most counts is expected to be better for the economy as the new currency notes in required quantities have come back into circulation and economic activity is seen setting to 'New Normal'.

The expectation of "Normal Monsoon" and resultant good crop, better rural income and initiatives like "Housing for All" offer vast scope for expansion of credit in rural and semi-urban areas where Bank has vast network of branches. The Bank plans to leverage its vast branch network for acquiring higher market share in Agriculture, MSME and Retail Credit.

Bank would also leverage technology to integrate financial inclusion and its association with India Post Payment Bank is likely to provide fresh credit linkages. The strengthening of JLF mechanism will help resolve large accounts and improved climate for recovery will help ease the problem of stressed assets. Bank will remain proactive to encash the opportunities as they emerge.

अंत में बैंक की ओर से मैं अपने सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमारी क्षमताओं और योग्यताओं में अपना विश्वास निरंतर बनाए रखा। मैं अपने सभी ग्राहकों के मूल्यवान समर्थन और विश्वास के लिए उनका भी आभार व्यक्त करता हूँ और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उनके अथक प्रयासों के लिए हमारे सभी कर्मचारियों को हृदय से धन्यवाद देता हूं। मुझे विश्वास है कि इस समर्थन और विश्वास के साथ बैंक भविष्य में भी कई अन्य कीर्तिमान और नित नए शिखर प्राप्त करेगा।

भवदीय,

सुनील मेहता

(सुनील मेहता)

In the end, on behalf of the bank, I thank all our shareholders for their continued faith in our strength and capabilities, customers for their valuable support and trust and our employees for their tireless efforts towards achieving our goals. I am confident that with this support and trust, the bank will achieve many more milestones and newer heights ahead.

Yours sincerely,

(Sunil Mehta)